Edit with WPS Office

IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षा स्नातक प्रशिक्षुओं में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

***डॉ०संजय कुमार**

*** प्रवक्ता (शिक्षाशास्त्र) ,ओबरा इण्टरमीडिएट कालेज ,ओबरा सोनभद्र ,उत्तर प्रदेश ।**

वर्तमान विश्व विभिन्न पर्यावरण प्रदूषण के संचयी परिणामो से अस्त-व्यस्त हो गया है । प्रदूषण के कारण मानव जीन्स की संरचना में उत्परिवर्तन हो रहा है, फलस्वरूप आनुवांशिक रोग जन्म ले रहे है , इसके अतिरिक्त ग्रीन हॉउस इफेक्ट , प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में अवरोध,ओजोन क्षरण, अम्ल वर्षा ,घातक कोहरे की समस्या ,पेट सम्बन्धी रोग , कैन्सर ,सीसा विषाक्तता ,अस्थिक्षरण , आदि समस्याए भी जन्म ले चुकी है । प्रदूषण के कारण ही पृथ्वी का ऋतुचक्र अस्त-व्यस्त हो गया है फलस्वरूप अप्राकृतिक समस्याए जन्म ले रही है ।

अंधाधुंध एवं स्वार्थ लोलुपता से सिंचित भौतिक विकास की लालसा में प्राकृतिक व्यवस्था को भंग करने का चक्र यदि कुछ समय और चला तो बहुत जल्द हम एक ऐसी दुनिया में होंगे जहाँ दूर-दूर तक हरियाली का नामोंनिशान नहीं होगा,पीने को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर पानी , वायु ,उर्वर मृदा , पंक्षियों का मोहक कलरव आदि अतीत के पन्नो में खो जायेंगे । पर्यावरण प्रदूषण के परिणाम में मिलेगा-कंक्रीट की गगनचुम्बी इमारते ,अपशिष्टो से पटी हुई धरती ,सूखे झील ,गंदे नाले व नदियाँ, अतिदूषित समुद्र ,कर्णभेदी शोर , दमघोटू वायु और क्षण- प्रतिक्षण मृत्यु की प्रतीक्षा करते मानव और मानवता .....।

विश्वव्यापी समस्या पर्यावरण प्रदूषण की भयानक गति को रोकने एवं आदर्श पर्यावरणीय परिस्थिति को पुनः स्थापित करने के लिए जनसामान्य में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति उच्च सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करना समय की अपरिहार्य माँग है ।

शिक्षा के प्रारम्भिक अवस्था में किया गया बीजारोपण अधिक स्थायित्व को प्राप्त होता है और सम्प्रति प्रारम्भिक से माध्यमिक शिक्षा स्तर तक का शैक्षणिक दायित्व मुख्य रूप से शिक्षा स्नातक (बी.एड.) उपाधि पर है । पर्यावरणीय अभिवृत्ति को उच्च बनाने के गुरुतर दायित्व को ग्रहण करने वाले इन प्रशिक्षुओ में प्रशिक्षण स्तर पर ही उच्चस्तरीय अभिवृत्ति ग्रहण करना भावी लक्ष्य की उच्चतम सफलता की पूर्व आवश्यकता होगी ।

भविष्य के उच्च पर्यावरणीय अभिवृत्ति वाले नागरिको के निर्माणकर्त्ता (शिक्षक-प्रशिक्षुओ) में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति की सीमा को पता लगाने के लिए शोधार्थी ने प्रस्तुत शोध विषय को अध्ययन हेतु चुना है ।

शोध अध्ययन के उद्देश्य :

1. कला एवं विज्ञान वर्ग की शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले बी .एड. प्रशिक्षुओ की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना ।
2. लिंग के आधार पर (महिला एवं पुरुष) बी .एड. प्रशिक्षुओ की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना ।
3. निवास (ग्रामीण एवं शहरी) के आधार पर बी .एड. प्रशिक्षुओ की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

परिकल्पनाएं :

1. कला एवं विज्ञान वर्ग की शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले बी .एड. प्रशिक्षुओ की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
2. महिला एवं पुरुष बी .एड. प्रशिक्षुओ की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।
3. ग्रामीण एवं शहरी बी .एड. प्रशिक्षुओ की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है ।

शोध विधि:

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण प्रविधि (वर्णनात्मक अनुसन्धान) का प्रयोग किया गया है ।

प्रतिदर्श :

डॉ ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शिक्षा स्नातक (बी.एड.) प्रशिक्षुओ को यादृच्छिक रूप से चुना गया है ।

उपकरण :

आकड़ो के संग्रहण के लिए डॉ संजय कुमार द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत Environmental Education Attitude Scale (EEAS) का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण-पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता 0.79 एवं अर्द्ध -विच्छेद विश्वसनीयता (सम-विषम) 0.74 है । प्रश्नावली के 31 पदों पर प्राप्तांक विस्तार 0 से 155 तक है ।

प्रयुक्त सांख्यिकी विधियाँ –

प्रदत्तो के विश्लेषण एवं व्याख्या हेतु आवश्यकतानुसार CR एवं t-परीक्षण का प्रयोग किया गया है ।
सभी परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु 0.01 सार्थकता स्तर का ही उपयोग किया गया है ।

Edit with WPS Office

आँकड़ो के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम -

तालिका -1

विभिन्न वर्गों के प्रशिक्षुओ में पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति की तुलना

क्र.सं.	प्रतिदर्श	N	M	S	D	od	t	परिणाम (0.01 स्तर)
1	कला वर्ग की पृष्ठभूमि वाले प्रशिक्षु	327	108.82	14.67	7.34	1.28	5.73	0.01स्तर पर सार्थक
	विज्ञान वर्ग की पृष्ठभूमि वाले प्रशिक्षु	226	116.16	14.96				
2	महिला प्रशिक्षु	228	115.52	15.28	6.83	1.29	5.29	0.01स्तर पर सार्थक
	पुरूष प्रशिक्षु	325	108.69	14.47				
3	ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रशिक्षु	276	110.69	14.00	3.70	1.24	2.98	0.01स्तर पर सार्थक
	शहरी पृष्ठभूमि के प्रशिक्षु	277	113.91	15.16				

शोध अध्ययन के परिमाण :

1. 0.01 सार्थकता स्तर अर्थात 99% विश्वास से यह कहा जा सकता है कि विज्ञान वर्ग से शिक्षा प्राप्त शिक्षा स्नातक प्रशिक्षुओ में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति, कला वर्ग से शिक्षा प्राप्त शिक्षा स्नातक प्रशिक्षुओ की तुलना में अधिक है ।
2. 0.01 सार्थकता स्तर पर यह पाया गया की शिक्षा-स्नातक की महिला प्रशिक्षुओ में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति शिक्षा स्नातक के पुरुष-प्रशिक्षुओ की तुलना में अधिक है ।
3. 0.01 सार्थकता स्तर पर यह देखा गया कि शहरी पृष्ठभूमि के शिक्षा स्नातक प्रशिक्षुओ में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति ग्रामीण पृष्ठभूमि के शिक्षा स्नातक प्रशिक्षुओ की तुलना में अधिक है ।

उपर्युक्त व्याख्या से स्पष्ट है कि कला वर्ग की तुलना में **विज्ञान वर्ग** में,पुरुष की तुलना में **महिलाओं** में एवं ग्रामीणों की तुलना में **शहरी** लोगों में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति अधिक पायी गयी तथापि इन सभी वर्गों पर प्राप्त मध्यमान बताते है कि शत-प्रतिशत अभिवृत्ति के सापेक्ष सभी विमाओ पर स्थिति अत्यंत दयनीय है ।

पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति उच्चस्तरीय अभिवृत्ति के विकास के लिए साहित्यिक संगोष्ठियों,व्याख्यानों ,जनजागरूकता कार्यक्रमों , कठोरतम् सरकारी नीतियों का प्रयोग करके पूर्णमनोयोग से प्रयास की आवश्यकता है । इस दिशा में ईमानदारी से किया गया प्रयास निश्चित ही हमारे पर्यावरण एवं प्रत्यक्ष सम्बन्धित हमारे भविष्य को
उज्ज्वल एवं सुखद बनाएगी ।

सन्दर्भ :

1. गुप्ता ,एस.पी. : **सांख्यिकी विधियाँ** ,इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ,1997 .
2. सक्सेना ,ए.बी. : **पर्यावरणीय शिक्षा (शिक्षण के सन्दर्भ में)**,नई दिल्ली : आर्य बुक डिपो ,1998.
3. पाण्डेय ,के.पी. : **शैक्षिक अनुसन्धान** ,वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन ,1998.
4. ओझा , एस.के. : **पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण** , इलाहाबाद : बौद्धिक प्रकाशन 2007 .
5. Dhawan and Others : "Environmental Education in Pre-Service Teacher Education" Journal of Indian Education,XXXI ,2 (August 2005).
6. प्रगति (मासिक) **जैवविविधता विशेषांक** ,वर्ष :59 ,अंक : 1, जून 2010.
7. योजना (जलवायु परिवर्तन विशेषांक), वर्ष 52 ,अंक -6, जून 2008.